



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 346]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 30, 1976/श्रवण 8, 1898

No. 346]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 30, 1976/SRAVANA 8, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

ORDER

New Delhi, the 30th July 1976

S.O. 509(E).—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government, being of opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts every licensed dealer from the operation of the provision of clause (b) of sub-section (7) of section 27 of the said Act in respect of the sale of standard gold bars refined in a town different from the one where his licensed premises are situated and sold in the town where they were refined, subject to the following conditions that—

- (a) the dealer shall maintain a separate sale voucher book for such sales after prior intimation to the Gold Control Officer under whose jurisdiction his licensed premises are situated;
- (b) a sale voucher is issued immediately after the sale of standard gold bars is effected;
- (c) entries in the statutory account books shall be made within 3 days of the sale.

[No. 10/76-F.143/31/75-GC II]

M. G. ABROL, Addl. Secy

राजस्व और बैंकिंग विभाग

आदेश

नई दिल्ली, 30, जुलाई, 1976

का० अ० 509 (अ).—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय होने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है। प्रत्येक अनुज्ञप्त व्यवहारी को, उस नगरी से, जहां उसके अनुज्ञप्त परिसर स्थित हैं, भिन्न किसी नगरी में परिष्कृत, और उस नगरी में जहां उन्हें परिष्कृत किया गया था बेची गई मानक स्वर्ण सिल्लियों के विक्रय की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 27 की उपधारा (7) के खण्ड (ख) के उद्बोधों के प्रवर्तन से निम्नलिखित शर्तों के अधीन छूट देती है—

- (क) व्यवहारी उस स्वर्ण नियंत्रण अधिकारी को, जिसकी अधिकारिता के अधीन उसके अनुज्ञप्त परिसर स्थित हैं, पूर्व प्रज्ञापना के पश्चात्, ऐसे विक्रयों के लिए एक प्रत्यक्ष विक्रय बाउचर पुस्तक रखेगा;
- (ख) मानक स्वर्ण सिल्लियों का विक्रय किए जाने पर तुरन्त एक विक्रय बाउचर जारी किया जाएगा;
- (ग) विक्रय के तीन दिन के भीतर कानूनी लेखाबहियों में प्रविष्टियां की जायेंगी।

[सं० 10/76-का० 143/31/75—जी० सी० II]

एम० जी० अब्दोल, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976